Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-3 : अपवाह तंत्र

अभ्यास प्रश्न

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 (i) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी 'बंगाल का शोक' के नाम से जानी जाती थी?

अ गंडक

ब सोन

स कोसी → बिहार का शोक

द दामोदर



1 (ii) निम्नलिखित में से किस नदी की द्रोणी भारत में सबसे बड़ी है?

अ सिंधु

ब गंगा

स ब्रह्मपुत्र

द कृष्णा

भारत में = 3.21 लाख वर्ग कि.मी.

8.8 लाख वर्ग कि.मी

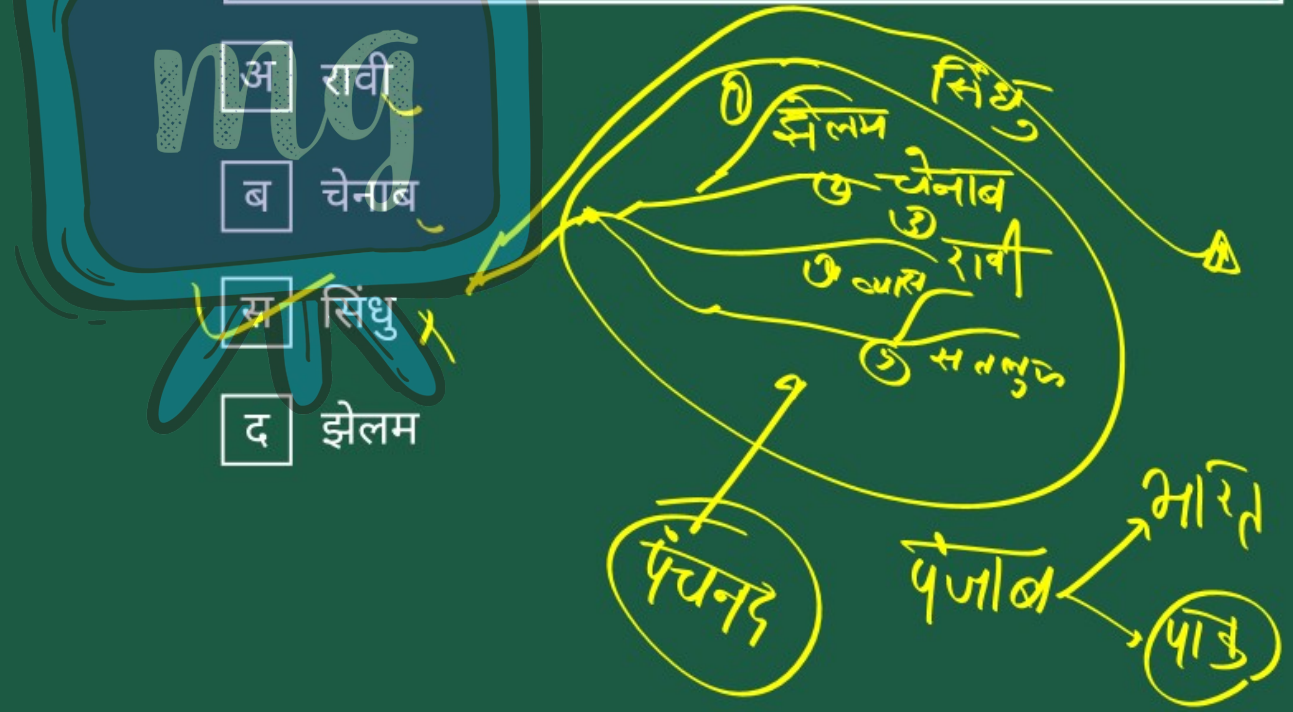
1 (iii) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी पंचनद में शामिल नहीं है?

अ रावी

ब चेनाब

स सिंधु

द झेलम





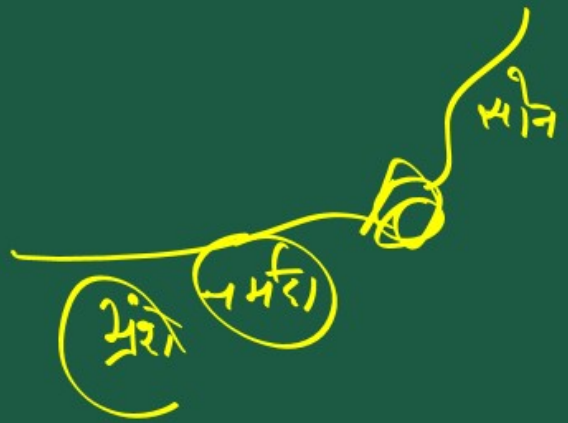
1 (iv) निम्नलिखित में से कौन-सी नदी भ्रंश घाटी में बहती है?

अ सोन

ब नर्मदा

स यमुना

द लूनी





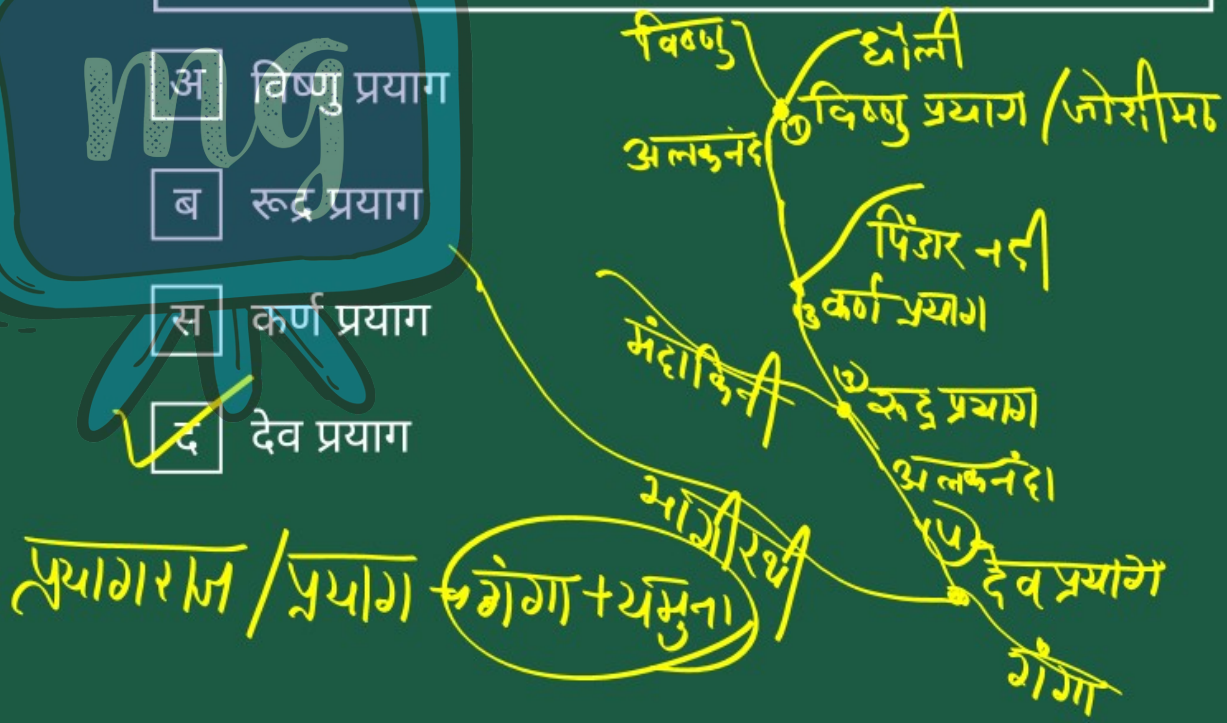
1 (v) निम्नलिखित में से कौन-सा अलकनंदा व भागीरथी का संगम स्थल है?

अ विष्णु प्रयाग

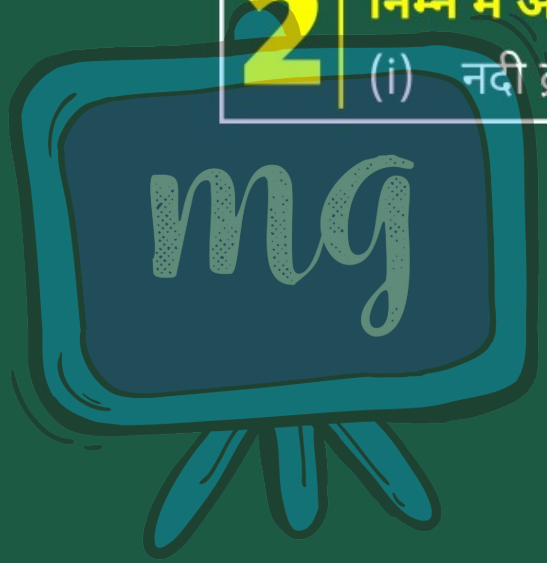
ब रूद्र प्रयाग

स कर्ण प्रयाग

द देव प्रयाग







2 | **निम्न में अंतर स्पष्ट करें: :**

(i) नदी द्रोणी और जल-संभर:



2 | **निम्न में अंतर स्पष्ट करें: :**

(i) नदी द्रोणी और जल-संभर:

उत्तर :

नदी द्रोणी	जल संभर
बड़ी नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र को नदी द्रोणी कहा जाता है।	छोटी नदियों या नालों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को जलसंभर कहा जाता है।
नदी द्रोणी का आकार बड़ा होता है।	जल संभर का आकार छोटा होता है।



2 (ii) वृक्षाकार और जालीनुमा अपवाह प्रारूप





2 (ii) वृक्षाकार और जालीनुमा अपवाह प्रारूप

उत्तर :

वृक्षाकार (Dendritic) प्रतिरूप	जालीनुमा (Trellis) अपवाह प्रतिरूप
जो अपवाह प्रतिरूप पेड़ की शाखाओं के अनुरूप हो	मुख्य नदियाँ एक-दूसरे के समांतर बहती हों
उदाहरण – उत्तरी मैदान की नदियाँ।	सहायक नदियाँ उनसे समकोण पर मिलती हों

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





2 (iii) अपकेंद्रीय और अभिकेंद्रीय अपवाह प्रारूप;





अरीय

2 (iii) अपकेंद्रीय और अभिकेंद्रीय अपवाह प्रारूप;

उत्तर :

अभिकेंद्री (Centripetal) प्रतिरूप	अरीय (Radial) प्रतिरूप
सभी दिशाओं से नदियाँ बहकर किसी झील या गर्त में विसर्जित	जब नदियाँ किसी पर्वत से निकलकर सभी दिशाओं में बहती हैं उदाहरण - अमरकंटक पर्वत श्रृंखला से निकलने वाली नदियाँ



2 (iv) डेल्टा और ज्वारनदमुख।



2 (iv) डेल्टा और ज्वारनदमुख।

उत्तर :

डेल्टा	ज्वारनदमुख
नदी अपने मुहाने पर कई उपनदियों या जल वितरिकाओं में विभाजित हो जाती है।	नदी अपने मुहाने पर जलवितरिकाओं में विभाजित न होकर सिर्फ गहरी घाटी बनाती है।

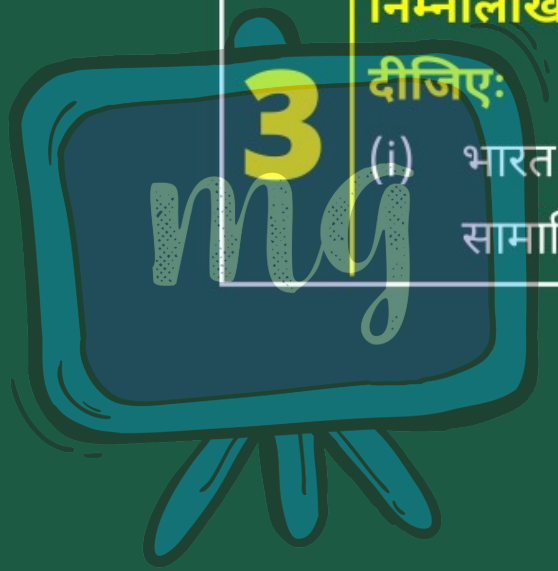
अभ्यास प्रश्न



डेल्टा	ज्वारनदमुख
नदी कई भागों में बहने लगती है और उसका आकार त्रिभुजाकार हो जाता है।	नदी तेज गति से बहकर मुहाने को साफ रखती है, इसलिए इसका कोई स्वरूप नहीं बनता।
मंद गति से बहने के कारण नदी मुहाने पर मलबा जमा रहता है।	तेज गति से बहने के कारण नदी का मुहाना साफ।

अभ्यास प्रश्न





निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए:

(i) भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के सामाजिक-आर्थिक लाभ क्या हैं?



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए:

3 (i) भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के सामाजिक-आर्थिक लाभ क्या हैं?

उत्तर :

☛ भारत में नदियों को आपस में जोड़ने से देश के विभिन्न भागों में आने वाली बाढ़ों तथा भीषण सूखे के प्रभावों को काफी कम किया जा सकता है।

☛ इससे देश में जल का समुचित प्रबन्धन होगा ।

अभ्यास प्रश्न





- कृषि उत्पादन में वृद्धि होने से सामाजिक-आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।
- आन्तरिक जल परिवहन का भी विकास होगा।



3 (ii) प्रायद्वीपीय नदी के तीन लक्षण लिखें।





3 (ii) प्रायद्वीपीय नदी के तीन लक्षण लिखें।

उत्तर :

- ये एक सुनिश्चित मार्ग पर चलती हैं।
- विसर्प नहीं बनातीं हैं।
- ये बारहमासी नहीं हैं, यद्यपि भ्रंश घाटियों में बहने वाली नर्मदा और तापी इसका अपवाद है।

अभ्यास प्रश्न





4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए:

(i) उत्तर भारतीय नदियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं? ये प्रायद्वीपीय नदियों से किस प्रकार भिन्न हैं?



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए:

4 (i) उत्तर भारतीय नदियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ क्या हैं? ये प्रायद्वीपीय नदियों से किस प्रकार भिन्न हैं?

उत्तर :

उत्तर भारतीय नदियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ

- उत्तर भारत की अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं , इसलिए अधिकांशतः नदियों में सालों भर पानी रहता है।
- कुछ नदियाँ पठारी भागों से निकलती हैं जो गर्मी के दिनों में सूख जाती हैं।

अभ्यास प्रश्न



- उत्तर भारत की नदियाँ अधिकांशतः मैदानी भागों में बहती हैं, जिसके कारण इन नदियों से नहरें निकाली जा सकती हैं।
- उत्तर भारत की अधिकांशतः नदियाँ गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियाँ हैं।
- सिंधु नदी अरब सागर में और गंगा तथा ब्रह्मपुत्र बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

अभ्यास प्रश्न

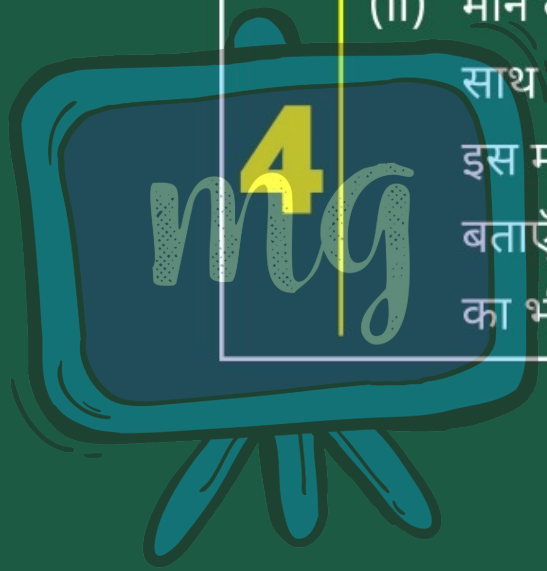


दक्षिण भारत की नदियाँ उत्तर भारत की नदियों से भिन्न हैं क्योंकि

- दक्षिण भारत की नदियों में सालों भर पानी नहीं रहता
- ये नदियाँ समतल भागों में नही बहती हैं।
- इन नदियों में न नावें चलाई जा सकती हैं, और न ही नहरें निकाली जा सकती हैं।
- जबकि उत्तर भारत की नदियों की स्थिति ठीक इसके विपरीत है।

अभ्यास प्रश्न





(ii) मान लीजिए आप हिमालय के गिरिपद के साथ-साथ हरिद्वार से सिलीगुड़ी तक यात्रा कर रहे हैं। इस मार्ग में आने वाली मुख्य नदियों के नाम बताएँ। इनमें से किसी एक नदी की विशेषताओं का भी वर्णन करें।





4 (ii) मान लीजिए आप हिमालय के गिरिपद के साथ-साथ हरिद्वार से सिलीगुड़ी तक यात्रा कर रहे हैं। इस मार्ग में आने वाली मुख्य नदियों के नाम बताएँ। इनमें से किसी एक नदी की विशेषताओं का भी वर्णन करें।

उत्तर : हिमालय के गिरिपद के साथ-साथ हरिद्वार से सिलीगुड़ी तक यात्रा करने पर इस मार्ग में आने वाली मुख्य नदियाँ – टोंस, गोमती, सरयू, रामगंगा, शारदा, गंडक, बुढ़ी गंडक, कमला, बागमती, कोसी, गंगा आदि ।

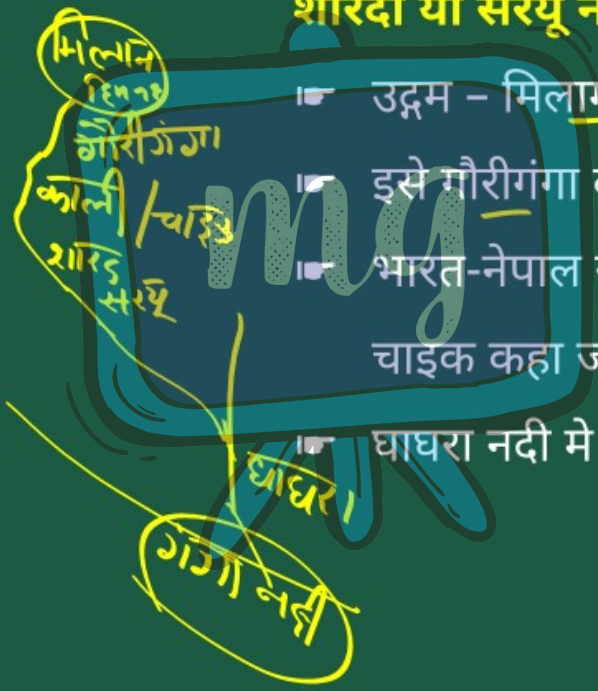
अभ्यास प्रश्न



रामगंगा नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से।
- शिवालिक को पार करने के बाद दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर बहती है।
- उत्तर प्रदेश में नजीबाबाद के निकट मैदान में प्रवेश।
- कन्नौज के निकट यह गंगा नदी में मिल जाती है।





शारदा या सरयू नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – मिलाम हिमनद (नेपाल हिमालय)।
- इसे गौरीगंगा के नाम से जाना जाता है।
- भारत-नेपाल सीमा के साथ बहती हुई, जहाँ इसे काली या चाइक कहा जाता है।
- घाघरा नदी मे मिल जाती है।



गंडक नदी की विशेषताएँ

- उद्गम – धौलागिरी व माऊंट एवरेस्ट के बीच (नेपाल हिमालय) कालीगंडक + त्रिशूलगंगा = गंडक नदी।
- मध्य नेपाल को अपवाहित करती है।
- बिहार के चंपारन जिले में यह गंगा मैदान में प्रवेश करती है।
- पटना के निकट सोनपुर में गंगा नदी में जा मिलती है।